जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

दर्शनशास्त्र विभाग

अध्ययन समिति (08 सितम्बर 2017) द्वारा संवर्द्धित एवं स्वीकृत स्नातक (दर्शनशास्त्र) का पाठ्यक्रम

सत्र 2018—19

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA

Department of Philosophy

Syllabus of B.A. (Philosophy) as Augmented & Accepted by the Board of Studies (Dated 08 September 2018)

Department of Philosophy

Session 2018-19

Department of Philosophy
Session 2018-19
बी0ए0 पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

B.A. Syllabus (Philosophy)

For Three year Bacheolor of Arts course in Philosophy

B.A. I

Paper I- Indian Philosophy

Paper II- Modern Western Philosophy

B.A.-II

Paper-I Ethics

Paper-II Logic

B.A.III

Paper I- Problems of Philosophy (Indian& Western)

Paper II- Philosophy of Religion

PaperIII- (A) Socio-Political Philosophy

<u>बी०ए० पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)</u>

<u>B.A. Syllabus (Philosophy)</u>

बी०ए० परीक्षा के लिए दर्शनशास्त्र में कुल सात प्रश्न–पत्र होंगे। दो प्रश्न–पत्र प्रथम वर्ष के लिए, दो प्रश्न–पत्र द्वितीय वर्ष के लिए और तीन प्रश्न–पत्र तृतीय वर्ष के लिए निर्धारित हैं।

प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा और उसके लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित होगा। बी0ए0 प्रथम वर्ष का प्रथम प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ होगा, जिसमें 100 प्रश्न होंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा अर्थात कुल 100 अंक का होगा।

There will be seven Question papers in Philosophy in B.A. Examination. The division of Papers in three years will be as follows. Two papers in B.A. Part-I, Two papers in B.A. Part-II and Three papers in B.A. Part-III.

Each paper will carry 100 Marks and of a duration of three hours.

First paper of B.A. Ist will be objective and there will be 100 questions and each question will carry one (1) marks i.e. this paper will carry total marks.

बी0ए0 भाग एक
प्रथम प्रश्न पत्र **अंक : 100**
भारतीय दर्शन

प्रथम इकाई : भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, चार्वाक–दर्शन–ज्ञानमीमांसा तत्त्वमीमांसा एवं आचारमीमांसा।

द्वितीय इकाई : जैन एवं बौद्ध दर्शन– जैन दर्शन– द्रव्य की अवधारणा, स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, बन्धन एवं मोक्ष; बौद्ध दर्शन–चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, बन्धन एवं मोक्ष, क्षणिकवाद एवं अनात्मवाद।

तृतीय इकाई : **न्याय–वैशेषिक**: ज्ञानमीमांसा, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द, पदार्थ एवं उनके प्रकार; **सांख्य–योग** पुरुष व प्रकृति का स्वरुप एवं उनके अस्तित्व के सम्बन्ध में तर्क, विकासवाद, सत्कार्यवाद योगदर्शन–अष्टांगयोग

चतुर्थ इकाई : **मीमांसा एवं वेदान्तः मीमांसा** में धर्म का स्वरुप, प्रामाण्यवाद, वेदान्त दर्शन शंकर का अद्वैतवाद–ब्रह्म, माया, जीव, बन्धन एवं मोक्ष, रामानुज का विशिष्टाद्वैत वेदान्त–शंकर के मायावाद का खण्डन, ब्रह्म एवं जीव में सम्बन्ध, जगत् एवं जीव।

Paper I

Indian Philosophy Marks 100

Unit 1 : Chief Characteristics of Indian Philosophy, Charvaka Philosophy- Epistemology, Metaphysics and Ethics.

Unit 2 : **Jaina and Bauddhist Philosophy**-**Jainism:** Concept of Substance, Syadvada, Anekantavada, Bondage and Liberation,

Bauddhism: Four Noble Truth, Pratityasamutpada, Nirvana, Kshanikavada (momentariness), Anatmavada (No soul Theory)

Unit 3 : **Nyaya-Vaishesika-**Epistemology-Pratyaksha; Anuman Upamana and Shabda, Padartha and its Kinds.

Samkhya-Yoga- Sankhya Philosophy: Purusha & Prakriti:nature and proofs for their existence, Theory of Evolution, Satkaryavada; **Yoga-Darshan:** Astangyoga

Unit 4 : **Mimamsa and Vedanta-** Mimamsa- Nature of 'Dharma' Pramanyavada. **Shankara's** AdvaitaVedanta- Brahman, Maya, Jiva, Bondage and Liberation **Ramanuja's** Vishistadvaita Vedanta- Refutation of Shankara's Conception of Maya. Brahmana,The Relation between Brahman and Jiva, World (Jagat) and Jiva.

Suggested Reading

1. M.Hiriyanna : Outlines of Indian Philosophy (Hindi and English Version)
2. C.D. Sharma : A Critical Survey of Indian Philosophy (Hindi and English Version)
3. Datta & Chatterji : Indian Philosophy (Hindi and English Version)
4. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy Vol. I & II (Hindi and English Version)
5. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रुप रेखा
6. संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
7. बी०एन०सिंह : भारतीय दर्शन की रुपरेखा
8. बलदेव प्रसाद उपाध्याय : भारतीय दर्शन
9. ह्रदयनारायण मिश्र : भारतीय दर्शन

बी०ए० भाग एक

द्वितीय प्रश्न पत्र **अंक : 100**

आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

प्रथम इकाई : आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की विशेषताएँ; देकार्त– दार्शनिक पद्धति, 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ', ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण, द्रव्य का स्वरुप, अन्तर्क्रियावाद, ज्ञान का स्वरुप।

द्वितीय इकाई : **स्पिनोजा**–द्रव्य का स्वरुप, सर्वेश्वरवाद, समानान्तरवाद **लाइब्नित्ज**–चिदणुवाद, पूर्वस्थापित– सामंजस्य; मन एवं शरीर के सम्बन्ध की समस्या।

तृतीय इकाई : लॉक–ज्ञानमीमांसा, ज्ञान का स्वरुप, जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, सरल एवं मिश्र प्रत्यय, वर्कले– अमूर्त प्रत्ययों का खण्डन, आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद।

चतुर्थ इकाई : ह्यूम–संस्कार और विज्ञान, प्रत्यय–साहचर्य, कारणता, आत्मा, ईश्वर, का खण्डन, संदेहवाद। काण्ट–समीक्षावाद, ज्ञान का स्वरूप, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय।

B.A. I

Paper II

Modern Western Philosophy **Marks 100**

Unit 1 : Chief Characteristics of Modern Western Philosophy, **Descartes**- Cartesian method, Cogito Ergo Sum, Proofs for the Existence of God, Nature of Substance, Interactionism, Nature of Knowledge.

Unit 2 : Spinoza & Leibnitz: –**Spinoza** Nature of Substance, Attributes and Modes, Parallelism; **Leibnitz**- Monadology, Pre-established Harmony and The problem of Mind-Body.

Unit 3 : **Locke**-Epistemology, Nature of knowledge, Refutation of Innate Ideas, Simple and Compound Ideas,

Berkeley- Refutation of Abstract Ideas, Subjective Idealism.

Unit 4 : **Hume-** Impressions and Ideas, Association of Ideas. Refutation of causality self and God, skepticism.

Kant- Criticism, Nature of Knowledge, Synthetic- Apriori Judgements.

Suggested Reading

1.	Fuller B.A.G.	: A History of Philosophy
2.	W.T. Stace	: A Critical History of Philosophy
3.	Falkenberg	: A History of Modern Philosophy
4.	Thilly	: A History of Philosophy
5.	W.K. Wright	: A History of Modern Philosophy
6.	चन्द्रधर शर्मा	: पाश्चात्य दर्शन
7.	याकूब मसीह	: पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
8.	संगम लाल पाण्डेय	: आधुनिक दर्शन की भूमिका
9.	जे०एस०श्रीवास्तव	: आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
10.	हरिशंकर उपाध्याय	: पाश्चात्य दर्शन का उद्‌भव एवं विकास
11.	दयाकृष्ण	: पाश्चात्य दर्शन Vol. I & II
12.	ह्रदयनारायण मिश्र	: पाश्चात्य दर्शन :

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र अंक : 100

नीतिशास्त्र

प्रथम इकाई : नीतिशास्त्र की परिभाषा एवं स्वरुप, नैतिक निर्णयों का विषय एवं स्वरुप, संकल्प–स्वातन्त्र्य एवं नैतिक उत्तरदायित्व–नियतिवाद एवं अनियतिवाद, नीतिशास्त्र का मनोवैज्ञानिक आधार ।

द्वितीय इकाई : परिणामवादी नीतिशास्त्र उपयोगितावाद–बेन्थम एवं मिल, विकासवाद–स्पेन्सर।

तृतीय इकाई : आदर्शवादी–नीतिशास्त्र–अंतःप्रज्ञावाद–बटलर, बुद्धिवाद, कान्ट का बुद्धिवाद–नैतिकता की पूर्व मान्यताएं शुभ संकल्प, कर्त्तव्य के लिए कर्त्तव्य का सिद्धान्त, निरपेक्ष आदेश, आत्मपूर्णतावाद।

चतुर्थ इकाई : गीता का निष्काम कर्मयोग एवं स्थितप्रज्ञ, नीत्से –मूल्यों के मूल्यांतरण सिद्धान्त एवं अतिमानव, गाँधी का नीतिशास्त्रः– अहिंसा की अवधारणा व सत्याग्रह की अवधारणा।

Paper I

Ethics **Marks 100**

Unit 1 : Definition and nature of Ethics, Nature and object of moral judgements, Freedom of will and moral responsibility- Determinism and Indeterminism, psychological basis of Ethics.

Unit 2 : Teleological Ethics:– Utilitarianism-Bentham, and Mill; Evolutionism-Spencer

Unit 3 : Deonotological Ethics:– Intutionism – Butler, Rationalism – Kant-Postulates of morality Good will, Duty for the duty's sake, categorical imperative, Perfectionism

Unit 4 : Niskam Karmyoga and Sthitprajna of Gita, Nietzsche- Principle of Transvaluation of values, superman, Ethics of Gandhi:- Concept of Non-violance and concept of satyagraha.

Suggested Reading

1.	William Lillie	:	An Introduction to Ethics
2.	Mackenzie	:	A Manual of Ethics
3.	C.D. Broad	:	Five types of Ethical Theories
4.	William K. Frankena	:	Ethics
5.	R.A.P. Rogers	:	A short History of Ethics
6.	A.C. Eving	:	Ethics
7.	S.K. Maitra	:	The Ethics of Hindus
8.	वेद प्रकाश वर्मा	:	नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त
9.	संगम लाल पाण्डेय	:	नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण
10.	बी०एन०सिंह	:	नीतिशास्त्र
11.	ह्रदय नारायण मिश्र	:	नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र **अंक–100**
<u>तर्कशास्त्र</u>

प्रथम इकाई : तर्कशास्त्र की परिभाषा, स्वरुप एवं इसका महत्त्व, सत्यता एवं वैधता आगमन एवं निगमन, वाक्य एवं तर्कवाक्य, परिभाषा के प्रकार, अनौपचारिक तर्कदोष, भाषा के मुख्य कार्य।

द्वितीय इकाई : निरुपाधिक तर्कवाक्य, अरस्तू का परम्परागत विरोध वर्ग, अव्यवहित अनुमान, निरपेक्ष न्यायवाक्य, सत्तात्मक तात्पर्य, वेन डायग्राम द्वारा न्यायवाक्यों का परीक्षण तथा इसके नियम।

तृतीय इकाई : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र : सरल एवं मिश्र वाक्य, मिश्र वाक्यों केप्रकार : निषेध, संयोजन, विकल्प एवं हेतुहेतुमद् वाक्य, सत्यता सारणी द्वारा युक्ति एवं युक्ति–आकार कथन एवं कथन का आकार, तर्क–युक्तियों की वैधता एवं अवैधता का परीक्षण, वाक्याकार : सत्यता–सारणी द्वारा वाक्याकारों का परीक्षण : पुनर्कथन, संभाव्य, व्याधाती।

चतुर्थ इकाई : आगमनात्मक तर्क, वैज्ञानिक प्राक्कल्पना, वैज्ञानिक व्याख्या, विज्ञान का महत्त्व, आगमनात्मक सामान्यीकरण हेतु मिल की विधियाँ।

Paper II
Logic **Marks 100**

Unit 1 : Definition, nature and importance of Logic, Truth and Validity, Induction and deduction, Sentence and Proposition, Kinds of Definition, Informal fallacies, Chief functions of Language.

Unit 2 : Categorical Proposition, Aristotle's Traditional Square of Opposition Immediate Inferences. Categorical Syllogism Existential Import. Testing Validity and Invalidity of Categorical Syllogisms through Vein Diagram and Laws regarding it.

Unit 3 : **Symbolic Logic**:- Simple and Compound Propositions, Kinds of Compound Propositions- Negation, Conjunctive, Disjunctive and Implicative Propositions, Testing Validity and Invalidity of Propositions through Truth-table method. Argument and Argument form, statement and statement- Tautology, Contingent and Contradictory, Testing of statement-form through Truth- table Method:

Unit 4 : Inductive logic – Scientific Hypothesis, Scientific Explanation, Importance of Science, Methods of Mill for Inductive Generalization.

Suggested Readings

1.	Introduction to Logic	:	Irving M. Copi
2.	L.S. Stebbing	:	A Modern Introduction to logic
3.	W.V. Quine	:	Methods of Logic
4.	Cohen & Nagel	:	Logic and Scientific Method.
5.	राम मूर्ति पाठक	:	तर्कशास्त्र प्रवेशिका
6.	अविनाश तिवारी	:	तर्कशास्त्र के सिद्धान्त
7.	बद्रीनाथ सिंह	:	तर्कशास्त्र की रुप रेखा
8.	संगम लाल पाण्डेय	:	तर्कशास्त्र का परिचय

बी०ए० तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

दर्शन की समस्याएं (भारतीय एवं पाश्चात्य) अंक : 100

प्रथम इकाई :

ज्ञान का स्वरुप, प्रमा, प्रमाण, प्रमेय और प्रामाण्यवाद, कारणता सिद्धान्त–सत्कार्यवाद असत्कार्यवाद, परिणामवाद विवर्तवाद एवं प्रतीत्यसमुत्पाद

द्वितीय इकाई : आत्मविषयक सिद्धान्त–भूत– चैतन्यवाद, अनात्मवाद, अनेकात्मवाद

एकात्मवाद, सत् विषयक सिद्धान्त :– एकतत्त्ववाद, द्वैतवाद, अनेकत्त्ववाद।

तृतीय इकाई :

ज्ञान का स्वरूप– प्लेटो, बुद्धिवाद, अनुभववाद एवं समीक्षावाद, कारणता सिद्धान्त–अरस्तू, ह्यूम और कान्ट; सत्यता सम्बन्धी सिंद्धान्त–संवादितावादी, संसक्ततावादी सिद्धान्त एवं अर्थक्रियावादी।

चतुर्थ इकाई : सृष्टिवाद एवं विकासवाद, सर्जनात्मक विकासवाद एवं उद्गामी विकासवाद; सामान्य की समस्या–वस्तुवाद, अवधारणावाद एवं नामवाद; देश एवं काल की समस्याः–लाइबिनत्ज एवं कान्ट

B.A. III

Paper I **Marks 100**

Problems of Philosophy (Indian &Western)

Unit 1 : Nature of Knowledge, Prama, Praman, Prameya & Pramaryavad, Theories of causation- Satkaryavad, Asatkaryavad, Parinamvad Vivartvad &Pratitysamutpad.

Unit 2 : Theories regarding soul; Bhutachaitanyavad Anatmvad, Anekatmvad & Ekatmvad, Theories regarding reality Monism Dualism & Pluralism

Unit 3 : Nature of Knowledge:– Plato, Rationalism, Empiricism, & Criticism, Theories of Causation:– Aristotle, Hume & Kant, Theories of Truth:– Correspondence theory, Coherence Theory and Pragmatism.

Unit 4 : Creationism & Evolutionism, Creative evolutionism and Emergent evolutionism, Problem of Universal - Realism, Conceptualism & Nominalism, Problem of space & Time:– Leibnitz & Kant.

Suggested Reading

1.	A.C. Eving	:	Some Fundamental questions of Philosophy
2.	A.D. Woozley	:	Theory of Knowledge
3.	H.M. Bhattacharya	:	Principles of Philosophy
4.	B. Russell	:	Problems of Metaphysics
5.	Machinen	:	Problems of Metaphysics
6.	A.J. Ayer	:	The Central Questions of Philosophy
7.	R.K. Tripathi	:	Problems of Philosophy and Religion
8.	K.C. Raja	:	Some Fundamental Problems of Indian Philosophy
9.	S.C. Chatterji	:	Nyaya Theory of Knowledge
10.	D.M. Datta	:	Six Ways of Knowing
11.	Radhakrishnan	:	Indian Philosophy Vol. I & II
12.	S.K. Maitra	:	Fundamental Questions of Indian Metaphysics & Logic
13.	राजेन्द्र प्रसाद	:	दर्शन की रुप रेखा
14	हरिशंकर उपाध्याय	:	ज्ञानमीमांसा के मूल प्रश्न
15	केदार नाथ तिवारी	:	तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
16	अशोक कुमार वर्मा	:	तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
17	बी०एन०सिंह	:	पाश्चात्य दर्शन की समस्याएँ एवं समकालीन दर्शन
18	बी०एन०सिंह	:	प्रमाण परिचय
19	वद्रीनाथ शुक्ल	:	तर्कभाषा (हिन्दी अनुवाद)
20	डी० वंदिष्टे	:	भारतीय दार्शनिक निबन्ध
21	नन्द किशोर शर्मा	:	भारतीय दर्शन की समस्याएँ
22	गीता रानी अग्रवाल	:	भारतीय ज्ञान मीमांसा
23	वशिष्ट नारायण सिन्हा	:	भारतीय दर्शन की समस्याएँ
24	डॉ0 हृदय नारायण मिश्र	:	पाश्चात्य दर्शन

द्वितीय प्रश्न पत्र **अंक : 100**

धर्म दर्शन

प्रथम इकाई : धर्म दर्शन की परिभाषा एवं स्वरुप, धर्मदर्शन का धर्म एवं दर्शन से सम्बन्ध, धर्म की परिभाषा एवं स्वरुप तथा विज्ञान से सम्बन्ध।

द्वितीय इकाई : धार्मिक चेतना का स्वरुपः धार्मिक चेतना की उत्पत्ति– ज्ञान भावना एवं संकल्प, धार्मिक विश्वास के आधारः तर्कबुद्धि, आस्था, विश्वास, दैवी प्रकाशना

तृतीय इकाई : ईश्वर का स्वरुप एवं गुण, ईश्वर सम्बन्धी धारणाएँ– केवल–निमित्तेश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद, पुरुषोत्तमवाद, ईश्वरवाद। ईश्वर के अस्तित्व के सम्बन्ध में प्रमाणः सत्तामूलक तर्क, प्रयोजनक मूलतर्क, कार्यकारणमूलक तर्क, नैतिक तर्क।

चतुर्थ इकाई : अशुभ की समस्या एवं इसके समाधान, अनीश्वरवाद एवं इसके प्रकार, आत्मा का अमरत्व और धर्म में इसका महत्त्व, धर्मों की एकता के सम्बन्ध में विवेकानन्द, गांधी, भगवानदास एवं राधाकृष्णन् के विचार।

Paper II **Marks 100**

Philosophy of Religion

Unit 1 : Definition and Nature of Philosophy of Religion. It's Relation to 'Dharma' and Philosophy, Definition and nature of 'Dharma' and its relation to science.

Unit 2 : Nature of Religious Consciousness- Origin of the Religious Consciousness- Knowledge, Emotion and Will, Basis of Religious Belief: Reason, Faith, Belief, Revelation.

Unit 3 : Nature and attributes of God, Various Ideas of God- Deism, Pantheism, Panentheism, Theism, Proofs for the existence of God: Ontological, Teleological causal and Moral argument.

Unit 4 : Problems of Evil and its solutions. Atheism and its Kinds, Immortality of Soul and it's Importance for Religion. Thoughts of Vivekananda, Gandhi, Bhagwandas and Radhakrishnan about unity of Religions.

Suggested Reading

1.	John Hick	:	Philosophy of Religion
2.	D.M. Edwards	:	The Philosophy of Religion
3.	Radhakrishnan	:	Eastern Religion and Western Thought
4.	G. Galloway	:	The philosophy of Religion
5.	John Caird	:	An Introduction to Philosophy of Religion
6.	E.S. Brightman	:	Philosophy of Religion
7.	Wright	:	A Student's Philosophy of Religion
8.	हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा	:	धर्म दर्शन की रुपरेखा
9.	बी०एन०सिंह	:	धर्म दर्शन
10.	वेद प्रकाश वर्मा	:	धर्म दर्शन के मूल तत्त्व
11.	याकूब मसीह	:	सामान्य धर्म दर्शन
12.	दुर्गादत्त पाण्डेय	:	धर्मदर्शन का सर्वेक्षण
13.	शिवभानु सिंह	:	धर्म दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन
14.	लक्ष्मी निधि शर्मा	:	धर्म दर्शन
15.	हृदयनारायण मिश्र	:	धर्म दर्शन

बी0ए0 भाग तीन

तृतीय प्रश्न पत्र– वैकल्पिक अंक–100

(अ) सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन

प्रथम इकाई: समाजदर्शन की परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र, समाजदर्शन का नीतिशास्त्र, समाजशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र से सम्बन्ध। समाजदर्शन के मनोवैज्ञानिक आधार।

द्वितीय इकाई: व्यक्ति एवं समाज के मध्य सम्बन्ध से सम्बन्धित; 1. व्यक्तिवादी सिद्धान्त ;2. आंगिक सिद्धान्त तथा 3. आदर्शवादी सिद्धान्त। समाज की उत्पत्ति से सम्बन्धित विभिन्न सिद्धान्त। सामाजिक संस्था के रूप में परिवार एवं विवाह का स्वरूप एवं उनकी भूमिका, मानव जीवन और भ्रूण हत्या, भ्रूण हत्या के सम्बन्ध में उदारवाद अनुदारवाद एवं नारीवाद की धारणा।

तृतीय इकाई: समाज में धर्मनिरपेक्षता का स्वरूप एवं भूमिका, सामाजिक परिवर्तन से सम्बन्धित सिद्धान्त–संविधानवाद, क्रान्तिवाद, आतंकवाद एवं सत्याग्रह। राजनैतिक आदर्श–आदर्शवादी समाजवाद एवं वैज्ञानिक समाजवाद, लोकतन्त्र।

चतुर्थ इकाई: वर्ण, जाति एवं आश्रम के सम्बन्ध में – वेद, भगवद्गीता, महात्मा गांधी, डॉ0 भगवानदास, एवं डॉ0 अम्बेडकर के विचार। परम्परा परिवर्तन एवं आधुनिकता।

B. A. III

Paper- III

(Social and Political Philosophy)

Unit1: Definition nature and scope of Social Philosophy. It’s relation to Sociology, Political Science and Ethics,Psychological basis of Social Philosophy.

Unit2: Theories regarding the relation between Individual and Society (i) Individualistic Theory (ii) Organic Theory (ii)Idealistic Theory.

Principles regarding the origin of Society. Nature and Role of Family and Marriage in the Society as a Social institution.

Unit3: Nature and Role of Secularism in the Society. Theories regarding the social change – Constitutionalism, Revolutionalism, Terrorism and Satyagrah, Politial Ideals- Idealistic Socialism and Scientific Socialism, Democracy.

Unit4: The Thoughts of Veda, Bhagvadgeeta, Gandhi, Bhagvandas & Dr Ambedkar regarding-Varna, Caste and Ashram, Tradition, Change and Modernity.

Suggested Readings :

D.D. Raphael – Problems of Political Philosophy

J.S. Machanji– An outlines of social Philosophy

Dr. Ramnath– Social Philosophy for the Beginners

डॉ० अशोक कुमार वर्मा– समाज दर्शन

डॉ० हृदय नारायण मिश्र– समाज दर्शन

डॉ० गीतारानी अग्रवाल– धर्म शास्त्रों का समाज दर्शन

डॉ० जगदीश सहाय श्रीवास्तव– समाज दर्शन की भूमिका

डॉ० शिव भानु सिंह– समाजदर्शन

डॉ० संगम लाल पाण्डेय– समाज दर्शन की एक प्रणाली

वी०एन०सिन्हा– समाजदर्शन : सामाजिक एवं राजनैतिक

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

दर्शनशास्त्र विभाग

अध्ययन समिति (08 सितम्बर 2017) द्वारा संवर्द्धित एवं स्वीकृत स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र) का पाठ्यक्रम

सत्र 2018–19

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA

Department of Philosophy

Syllabus of B.A. (Philosophy) as Augmented & Accepted by the Board of Studies
(Dated 08 September 2018)

Department of Philosophy

Session 2018-19

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र प्रथम

भारतीय दर्शन– I

Department of Philosophy

Session 2018-19